VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

*निर्धारित समय: **तीन** घंटे*
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

*अधिकतम अंक: **250***
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00916209

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : VIVEK YADAV

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

HINDI

तारीख
Date

31-Aug-2024

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre

मुखर्जी नगर

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे	**टेस्ट कोड : 3128**	अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours	**Test Code : 3128**	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।

Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।

We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।

It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।

We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।

A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।

Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।

We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

The will of the people cannot make just that which is unjust.

विश्व को एकसाथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा, अन्यथा यह कार्य नही करेगा।

दुनिया ने दो भीषण युद्ध देखे, इन विश्व युद्धो मे लाखो की संख्या मे निर्दोष लोगों ने अपनी जान गवाँई, हजारो महिलाओ ने अपने पति, पुत्र, और संबंधियो को खोया; परमाणु हथियारो की विध्वंशता दशको तक बनी रही, तब इस निष्कर्ष पर पहुचाँ गया कि अंतिम हल युद्ध नही बल्कि एकजुटता, सहिष्णुता और समन्वय की भावना ही हो सकती है।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हम इतिहास के पन्नो को खंगालते हैं, तो पाते हैं कि वास्तविकता मे इतिहास, युद्धो - संघर्षो से भरा पड़ा है, इस क्रम मे कितनी ही सभ्यताएँ पनपी, कितनी ही सभ्यताएँ बिखर गई, परंतु आपसी प्रतिद्वंदिता का यह सिलसिला अनवरत चलता रहा।

सारे युद्ध प्रत्यक्षदर्शी नही होते, बदलती दुनिया मे इनका रूप भी परिवर्तित होता है, हमने शीत युद्ध का लंबा दौर देखा, जहाँ बिना गोली बारूद के कटुता और प्रतिस्पर्धा का लंबा रास्ता पूरी दुनिया को प्रभावित करता रहा। आज हम ट्रेड वॉर देख रहे हैं, जहाँ दो देश आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए संरक्षणवाद का सहारा ले रहे है।

राज्यो के साथ साथ गैर राज्य कारको यथा आतंकवाद, संगठित अपराध, ड्रग्स वार्डर क्राइम का सहारा लिया जा रहा है, ऐसे मे आज आवश्यकता है कि - भारत सहित संपूर्ण विश्व एक साझा मंच के माध्यम से सहयोग करें और ग्लोबल चुनौतियो का समाधान, वसुधैव कुटुम्बकम के माध्यम से हासिल करें।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अपने विषय के क्रम मे हम पहले यह जानने का प्रयास करेगें, कि वह कौन कौन से पहलू हैं, जिन पर विश्व को साथ आने की आवश्यकता है? दूसरा यह कि एक साथ आने मे क्या चुनौतियाँ है? और उनको दूर कैसे किया जा सकता है? और अंत मे यह जानने का प्रयास भी करेगें, कि ऐसा करना वास्तविकता में महत्वपूर्ण क्यों है? ऐसा न करने के क्या गंभीर परिणाम होगें?

किसी भी राष्ट्र की पहली प्राथमिकता सुरक्षा होती है, क्योकि उसके बिना किसी भी राष्ट्र का अस्तित्व खतरे मे होता है, आज आतंकवाद के फैलाव की सीमा नही है, यह आपको युगांडा मे भी दिख जाएगा, वही इसकी प्रतिक्रियावादी गतिविधियाँ अमेरिका और फ्रांस मे भी लोगो मे भय का वातावरण बना रही होती है।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इसलिए आतंकवाद से लड़ने के लिए पूरा विश्व एकजुट आवाज उठा रहा है, आतंकी फंडिंग को बैन करना, UN में प्रस्ताव, FATF के कड़े प्रतिबंध, मनीलांड्रिंग जैसे वित्तीय अपराधो पर लगाम लगाने के प्रयास ही हमे इस समस्या का समाधान दे सकते है, कोई एक अकेला राज्य इसके दुष्प्रभावो को सीमित नही कर सकता है

सुरक्षा के बाद पूर्व तैयारी के मायनो को नकारा नही जा सकता है, क्योकि बारिश के पूर्व ही हमे अपनी छत की मरम्मत कर लेनी चाहिए ताकि नुकसान कम से कम हो।

इस क्रम मे संयुक्त सैन्य अभ्यास, ज्वाइंट कमांड ऑपरेशन, रक्षा तकनीकी मे सहयोग, परमाणु प्रौद्योगिकी की सुरक्षा, संयुक्त निर्माण जैसे प्रयासो को भी महत्वता दी जानी चाहिए, क्योकि आतंकवादियो अथवा आतंक समर्थित देशो को परमाणु हथियार की प्राप्ति होना, मानव जाति के समूल नष्टता की कहानी लिख सकता है

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जलवायु परिवर्तन की चुनौती पूरे विश्व मे देखी जा रही है, इसका भौगोलिक फैलाव और सामाजिक फैलाव असीमित है; आज विद्यालय जाने वाला 5 वर्ष का बालक भी, तो वही 65 वर्ष का बुजुर्ग जो पार्क मे स्वच्छ वायु के लिए वाक निकलता है, या फिर महिलाएँ और रोज अपना श्रमदान करने वाले श्रमिक; सभी इससे प्रभावित होते है।

मालदीव ने जलवायु आपातकाल घोषित किया है, हिंद प्रशांत के कुछ द्वीप लगातार बढ़ते जल स्तर के कारण डूबने के कगार पर खड़े है ऐसे मे पर्यावरण संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन कम करने का प्रयास, ग्रीन हाउस गैसो के निष्कर्षण में कमी, जीवाश्म ईंधन मे कटौती, पर्यावरण अनुकूल व्यवहार जैसे उपागम अनिवार्य हो चुके है।

कान्फ्रेंस ऑफ पार्टीज और सतत विकास लक्ष्यो के माध्यम से पूरा विश्व नेट जीरो की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहा है, क्योंकि यह बेहद जरूरी है, वास्तविकता मे आर्कटिक की बर्फ पिघलने का परिणाम उत्तर तक सीमित नही रहेगा, ये वैश्विक जलवायु को भी प्रभावित करेगा।

VisionIAS

इस मुद्दे पर एक राय, CBDR (साझा परंतु विभेदित उत्तरदायित्व) की रणनीति, जहाँ विकासशील देश जलवायु न्याय और लॉस एंड डेमेज फंड की मांग करते हैं, ऐसे मे विकसित देशो को अपने पूर्व उत्सर्जन की जिम्मेदारी लेते हुए, इस संबंध मे ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि एक बेहतर रणनीति तैयार हो सकें।

संसाधनो के निर्धारण संबंधी मुद्दा भी ज्वलंत है, दुर्लभ मृदा तत्वो की खोज, आर्कटिक मे गैस के भंडार, अंटार्कटिक मे खनन, अंतरिक्ष मे उपग्रह, समुद्री सीमाओ के अतिक्रमण, खनिज निक्षेपों पर अधिकार आदि के संबंध मे प्रतिस्पर्धा का लंबा दौर रहा है, जो कमोबेश आज भी जारी है, हमे इस पर विचार करने की आवश्यकता है

अगर हम इन साझी संपत्तियो पर बेतहाशा नियंत्रण और अधिग्रहण करने की होड करेगें, तो इसका परिणाम न केवल आर्थिक और कूटनीतिक रूप से भयावह होगे, बल्कि प्राकृतिक आपदाओ की बारंबारता भी बढेगी; जब 2004 मे हिंद महासागर की सुनामी आई, तो 50 से अधिक छोटे बडे देश प्रभावित हुए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वैश्वीकरण के युग मे हम आर्थिक रूप से जुड़े होते है, ऐसे मे एक जगह की घटना का प्रभाव अन्यत्र भी होता है। उदा- के लिए चाहे वह 1929 की महामंदी हो या 2008 की महामंदी। चाहे वह विश्वयुद्धो का समय हो या रूस-यूक्रेन वार हो। ऐसे मे आर्थिक पहलुओ पर एकजुटता के प्रयास होना चाहिए।

आज भारत के सैकड़ो/हजारो परिवार के सदस्य मध्यपूर्व मे, अन्य विश्व मे कार्यरत है, भारत मे भी अन्य देशो के लोग आते है, रोजगार कमाते है, ऐसे मे बहुराष्ट्रीय कंपनिया भी अपना कारोबार करती है, इन सबके अच्छे परिचालन के लिए आवश्यकता है कि -

श्रमिको की सुरक्षा के वैश्विक कानून हो, कर मानदंड उपयुक्त हो, निवेश का सही वातावरण हो, वित्तीय अपराधो पर लगाम लगाई जाए, मनीलांड्रिंग, टेरर फंडिंग को रोका जाएँ, और ये सभी प्रयास बिना एकजुटता के नही किए जा सकते।

VisionIAS

सहभागिता का एक दृष्टिकोण धर्म एवं संस्कृति भी हो सकते है, आज विश्व मे आपसी कलह, धार्मिक उन्माद, सांप्रदायिकता, नस्लीय घृणा चरम पर है, हमने पहले भी इसके भीषण परिणाम देखे है।

धर्मनिरपेक्षता की ओर बढ़ता पश्चिम, अपने लक्ष्यो को साधने मे उतना सफल नही रहा है, आज भी कैथोलिक - प्रोटेस्टेंट, शिया-सुन्नी, बौद्ध-दलित जैसे अंतराधार्मिक और हिंदू-मुस्लिम, मुस्लिम-ईसाई, यहूदी-मुस्लिम जैसी प्रतिस्पर्धी और धार्मिक टकराहटें आज भी गुंजायमान है, इजराइल-हमास युद्ध इसका जीता जागता परिणाम है।

आज विश्व को इसमे एक साथ आने की आवश्यकता है, भारत का सर्वधर्मसमभाव इसमे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जहाँ सभी धर्म मिलजुल कर रहें, और शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन की तर्ज पर विवेकानंद जी के वह वक्तव्य 'मेरे भाइयो - बहनो ---' से पूरा विश्व गुंजायमान हो सकें, ऐसा आज के परिवेश मे आवश्यक है।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हमने महामारी का भीषण दौर व्यतीत किया, पूरा विश्व उससे प्रभावित हुआ; जब वैक्सीन निर्माण और वितरण की बात हुई, तब पश्चिमी देशो ने पेटेंटीकरण की बात की। हमे यह ध्यान रखना चाहिए था, कि यह महामारी एक देश को प्रभावित नही कर रही थी, बल्कि खुद उनके देश भी प्रभावित होते। इसीलिए भारत ने वैक्सीनमैत्री की शुरुआत की ताकि हम पूरे विश्व को महामारी मुक्त बना सकें।

यह मुद्दा वैक्सीन तक सीमित नही है, जब भी साझे प्रयासो की बात होती है, राष्ट्रो मे आपसी सहमति बनाना मुश्किल हो जाती है, क्योकि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति मे प्रत्येक देश अपने हितो को सर्वोपरी रखता है, हालाकि यह गलत भी नही है, परंतु परिणामवाद और उपयोगितावाद का भी ध्यान रखना आवश्यक है।

बढ़ता शरणार्थी मुद्दा, आज सीमावर्ती तनाव मे वृद्धि कर रहा है, अवैध प्रवासियो की संख्या मूल निवासियो को भी तकलीफ दे रही है, इनके प्रयास केवल एक राष्ट्रो द्वारा नही, बल्कि सहभागिता से ही सकेगें।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सामाजिक बदलाव की ओर कदम रखने मे, महिलाओ का मुद्दा उठाने मे, उन्हे राजनैतिक और आर्थिक अधिकार दिलाने मे, बच्चो की अच्छी परवरिश, अच्छा बचपन दिलाने मे, ट्रांसजेंडरो को उनका हक दिलाने मे, प्राइड परेड के माध्यम से जागरूकता फैलाने मे; ऐसे सभी प्रयासों के लिए विश्व को साथ मिलकर आना होगा।

गांधी कहते है - जिस दिन प्रेम की शक्ति, शक्ति के प्रेम पर विजय प्राप्त कर लेगी, उस दिन दुनिया मे शांति स्थापित हो जाएगी।

इसलिए सभी देशों को एक वैश्विक ग्राम मे तब्दील करना, और न केवल राजनीतिक जुड़ाव बल्कि लोगो से लोगो के दिलो को जोड़ना, कई गुना बेहतर परिणाम देगा।

वैज्ञानिक खोजो मे सहभागिता रखना, कृषि की नयी तकनीको को खोजना, वन्यजीवो के अवैध व्यापार को रोकना, नशे की खेपो पर लगाम लगाना, आज की नैतिक आवश्यकता भी है

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

समाजवाद-पूंजीवाद की रास्ते से हटकर, मानवाद को अपना लक्ष्य बनाना; आपसी युद्धों के बजाय संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों को प्रमोट करना; सैन्य शिक्षा के इतर नैतिक और सामाजिक शिक्षा को महत्व देना आज पूरे विश्व के लिए वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य भी है।

विश्व को कुछ और क्षेत्रों में यथा- तकनीकी, सॉफ्टवेयर, उभरती क्रिटिकल प्रौद्योगिकी, आधुनिक उपकरणों, जैवप्रौद्योगिकी, भुखमरी, गरीबी, बेरोजगारी, के संबंध में मिलकर कदम उठाने होंगे।

इन प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, देशों के राजनीतिक जुड़ाव की आवश्यकता हेतु चर्चा की संस्कृति विकसित करना। गैर राजनीतिक यथा सांस्कृतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक सहयोग के माध्यम से भी हम विश्व में एकता और सामंजस्यता को बढ़ा सकते हैं और इसी तर्ज पर भारत ने भी G20 की थीम को 'वसुधैव कुटुम्बकम' का नाम दिया था, जो पूरे विश्व में एक समान और साझा भविष्य के रूप में प्रदर्शित करता है।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

खण्ड – B / SECTION – B

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी वे होती हैं बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं, जैसे कि हम हैं

ईश्वर ने मनुष्य को समान नजर दी है, और स्वतंत्र कर दिया है कि मनुष्य अपने नजरिए को विकसित करें; कुछ दिव्यांग जिन्हें नजर का प्राकृतिक तोहफा नहीं भी मिला, उन्हें भी अपने नजरिए को समूचे जहांन तक फैलाने की शक्ति मिली।

इसीलिए नजर समान होने पर भी दृष्टिकोणों में अंतर होना, व्यक्ति की व्यक्तित्व को परिभाषित करता है।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक कहानी हम बचपन से सुनते आँऐ हैं कि एक पानी का ग्लास जिसमे कुछ पानी है, और दो विद्यार्थियो को दिखाया जाता है कि क्या आप इसे परिभाषित करेगें, तो एक कहता है कि यह तो आधा खाली है और अपेक्षित भाव रखता है, वही दूसरा कहता है कि आधा भरा हुआ है, और सकारात्मक भाव रखता है यह केवल देखने का नजरिया होता है

तो इस तरह हमारा विषय, बहुत सी गहराइयो को अपने अंदर समेटे हुए है, इसमे हम समझेगें कि हमे चीजों को कैसे देखना चाहिए, देखते हुए हमारी अभिवृति कैसी होनी चाहिए? अगर हम चीजो को यथावत देखें तो इससे क्या फायदे होते है? सिर्फ फायदे होते है या सीमित नुकसान भी है? सही देखने और समझने के क्रम मे, वे कैसे/कौनसे सिद्धांत है, जो हमारा मार्गदर्शन कर सकते है?

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कबीर कहते हैं - 'बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोई
जो मन खोजा आपनौ, मुझसे बुरा न कोय'

अर्थात परिस्थिति और वास्तविकताओ में हम कई बार दूसरो मे ही कमियाँ खोजते रहते है, जबकि स्वयं की कमियो को नजरंदाज कर देते है इसलिए कहा भी जाता है 'जब आप बदलते है तो दुनिया भी बदल जाती है'

हम अतीत के पन्नो को टटोलते है, तो शीत युद्ध के समय जब अमेरिका अथवा सोवियतसंघ दोनो ही शक्ति स्वं सैन्य उपकरणो को बढाने मे लगे हुए थें, अगर कोई एक राष्ट्र अपनी सुरक्षा मे वृद्धि करता था, तो दूसरा राष्ट्र भयभीत होकर अपनी सुरक्षा बढाने लगता था, जबकि वास्तविकता मे यह दृश्य युद्ध था।

हमारे स्वतंत्रता आंदोलन मे भी हमने देखा, उदारवादियो की रणनीतियाँ अनुनय / विनय की थी, वे विदेश शासन से प्रत्यक्ष लोहा लेने मे यकीन नही रखते थे, वही जब गाँधी जी का आगमन हुआ और उन्होने अपनी सत्याग्रह की रणनीति चलाई, तो परिस्थितिया बदल गई।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

की ब्रिटेन को और अन्य पश्चिमी शक्तियों को महाविजेता माना जाता था। परंतु जब जापान जैसे राष्ट्रों ने अपनी योग्यता साबित की, तब न सिर्फ भारत बल्कि विश्व भर में लोगों को वास्तविकता का पता चला।

इस उदाहरण के स्वरूप देखें तो शक्ति के महत्व का ज्ञान ओसामा बिन लादेन को भी था, वही महात्मा गाँधी को भी। पर लादेन ने शक्ति के महत्व को ऐसे देखा जहाँ वह आतंक और भय का वातावरण फैला सके, वही गाँधी जी ने उसे जनआंदोलन में बदलकर औपनिवेशिक ताकत से आजादी दिलवाने में मदद की।

आज समाज में सहिष्णुता की भावना कमजोर हो रही है, आज उपन्यासों से अब्दुल का चरित्र गायब हो रहा है जो प्रेमचंद ने गढा था, आज राम-रहीम की जोडी बिखर रही है, क्योंकि हम सांप्रदायिकता का शिकार हो रहे हैं, जबकि हमें इस संकीर्णतावादी चश्मे को उतारकर सहिष्णुता और सामंजस्यता वाले दर्पण में निहारने की आवश्यकता होती है।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अपने समाज के संबंध मे एक केस स्टडी लेते है, परिवारो मे जातिवाद और छुआछूत का मूलय प्राय: बच्चो मे पहुचँता रहता है, ऐसे मे जब कभी वही बच्चा, किसी दलित / निम्न वर्ग के बच्चे को देखेगा, तो उससे बिना मिले, बिना जाँने वह यह मान लेगा कि ये घृणित है, इससे दूर रहना है, उसकी अभिवृति नकारात्मक बन चुकी होती है

विवाह मे दहेज की प्रथा के संबंध मे एक सामाजिक सहमति बन चुकी है, लोग खुशी खुशी उसे स्वीकारने और बढाने लगे है, परंतु वास्तविकता मे यह कुप्रथा न केवल महिला के परिवार के लिए आर्थिक रूप से भार डालती है, बल्कि महिला अस्मिता को चोट पहुचँाती है

भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकृति ने उसके वास्तविक कांडे चरित्र को ढँक दिया है, व्यक्ति, समाज, राष्ट्र सभी को खोखला करने मे इसका योगदान होता है, परंतु हम अपने मूलयो को आचरित कर भ्रष्ट आचरण को सामान्य कार्यसंस्कृति से जोड देते है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक दृष्टिकोण इस विषय मे यह भी हो सकता है, कि कई बार हम चीजो को अधिक सोचने के कारण भी अपना अनुमान लगा लेते है, उदा० के लिए - डर, डर एक कागजी हाथी के सिवाय कुछ नही है, परंतु जब भी किसी व्यक्ति मे साहस, दृढता, आत्मविश्वास की कमी होगी तब वह और ज्यादा डरेगा, जबकि उसका सामना करने से वह आसानी से दूर भी कर सकता है

जब महात्मा बुद्ध क्षणभंगुरवाद और अनित्यवाद की व्याख्या करते है, तो वह समझाते है कि जीवन मे कुछ भी नित्य नही है, सबकुछ परिवर्तनशील है शंकराचार्य कहते है कि जगत मिथ्या है, सभी दर्शनों मे यह व्याख्यायित है कि जीवन-मरण का एक चक्र नियत है, परंतु हम इस वास्तविकता को भूलकर उपभोक्तावाद और संग्रहवाद मे लगे रहते है, और इस क्रम मे मानवीय संबंध और शांति को खो देते है

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हमने यह तो जान लिया कि चीजो को यथावत क्यो देखना चाहिए, इससे हमे क्या क्या फायदे होते है, परंतु एक प्रश्न और उठता है, वह यह कि अगर हम चीजो को वैसा न देखें, जैसी वे है, तो इससे कुछ लाभ भी हो सकता है?

कुछ समय पूर्व हमने न्यूज चैनलो पर उत्तराखंड टनल आपदा को देखा होगा, जहाँ 42 मजदूरो की एक टीम 5 दिन तक खाई मे फंसी रही, जहाँ खाना-पानी तो छोड़िए, हवा का मिलना दूभर था, परंतु फिर भी इनकी असुविधा और विकट स्थितियो मे उन्होने अपना दृष्टिकोण बदला और हिम्मत नही हारी, बाहर आने की उम्मीद रखी और संघर्ष-जीवन का दामन थामे रखा, और वे सकुशल वापस लौटें।

एक और उदा. लेते है, अशोक खेमका - टी.एन.शेषन जैसे सिविल सेवक, इन्हे अपने कार्यकाल मे कई राजनीतिक प्रशासनिक दबाव, निजी हमले, ट्रांसफर पोस्टिंग

VisionIAS

देखनी पडी, परंतु इन्होने अपने मूल्यो से समझौता नही किया, ये ईमानदार थे, दृढविश्वासी थे, साहसपूर्ण तरीके से लगे रहें, और चीजो को वैसे नही देखा जैसे वे थी (अर्थात चुनौतीपूर्ण, बल्कि उन्हे सहज मानकर, उनको सहर्ष स्वीकार किया)।

जब दशरथ मांझी पहाड खोद रहे थे, अल्वा एडीसन सौ बार की विफलता के बाद भी बल्ब के निर्माण मे लगे हुए थे, या फिर वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई जिन्हे पता थी कि वे मृत्यु का वरण करने की ओर, अपनी स्वतंत्रता की लडाई लड रही है इन महान विभूतियो ने चीजो और परिस्थितियों की गंभीरता और विफलता को सामान्य माना और उनसे निपटने के लिए आत्मबल की शक्ति लगा दी।

व्यक्ति और कुछ नही, केवल अपने विचारो का उत्पाद होता है, वह जो सोचता है, वैसा ही बन जाता है, और वैसे ही अपने कार्यो को करने लगता है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हेलन केलर जब बड़ी हो रही थी, उनके मातापिता को उनकी बहुत चिंता थी, कि वह अपना जीवनयापन कैसे करेगी, उनकी विकलांगता उन पर हावी तो नहीं हो जाएगी? परंतु हेलन की दृढ़ता, अदम्य साहस और तीव्र इच्छाशक्ति ने विपरीत परिस्थितियों को भी अनुकूलता में तब्दील कर दिया।

हम कितने ही ऐसे उदाहरण अपने आसपास देखते हैं, अब ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि अनुकूल परिणाम हेतु सही रणनीति क्या होनी चाहिए?

सबसे पहले तो हमें चीजों की वास्तविकता को समझना आना चाहिए, चीजें जैसी हैं, उन्हें वैसी ही स्वीकार्य करना आना चाहिए, अगर यहाँ असफलता भी मिल रही हो, तब भी उसे सहेजकर, आगे के लिए याद भी रखना चाहिए।

VisionIAS

चीजो को सही ढंग से समझकर, उन पर अहम को भावी होने न दिया जाए, बल्कि बल्कि उपयोगितावादी दृष्टिकोण को ध्यान मे रखते हुए अपने निर्णय लिए जाये।

हमे गीता के कर्मफल सिद्धांत को ध्यान मे रखते हुए अपने कर्म को महत्वता देनी चाहिए, न कि फल को, और कर्म का स्वरूप भी निष्काम होना चाहिए।

एक बालक जो तैरने से इसलिए कतराता है, क्योकि उसको पानी का डर सताता है, उसे पहला कार्य अपने डर को दूर करना चाहिए, जैसे क्यों का डर दूर होगा, वह धीमे धीमे अपने कार्य/लक्ष्य की ओर सीखता जाएगा।

यहाँ हमे एक महत्वपूर्ण बात पर गौर जरूर करना है, परिस्थितियो और वास्तविकताओं से ज्यादा यह ध्यान रखना चाहिए, कि हम क्या देखते है?

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

क्या हम सिर्फ बाँधाए देख रहे है ? या उम्मीद की किरण को सहेजकर आगे बढ़ रहे है।

वह पथ क्या, पथिक सफलता क्या,
जिस पथ मे बिखरे शूल न हो,
नाविक की धैर्यपरीक्षा क्या,
जब धाराऐ प्रतिकूल न हो।

इसीकारण हमे अपने दृष्टिकोण को और अधिक विकसित, उदार, सहिष्णु और साहसी बनाने की आवश्यकता है, ताकि हम धैर्य और विश्वास से सभी चीजो को सही समझ सके, और आवश्यक निर्णय ले सकें।

तू जो चाहे पर्वत पहाड़ो को तोड़ दे
तू जो चाहे धरती को अंबर से जोड़ दे
अमर तेरे प्राण मिला तुझको वरदान
तेरी मुट्ठियो मे बंद तूफान है
मनुष्य तू बड़ा महान है।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

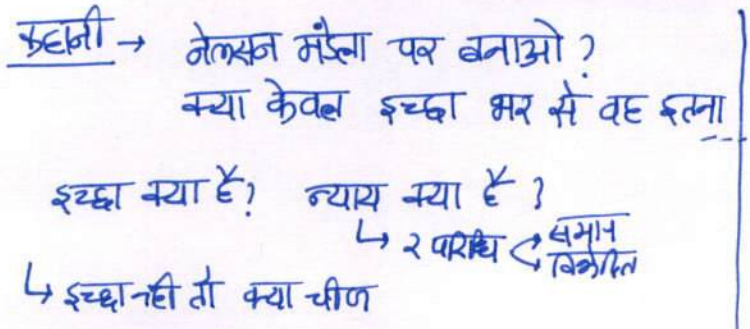

SPACE FOR ROUGH WORK

<u>कहानी</u> → नेल्सन मंडेला पर बनाओ?
क्या केवल इच्छा भर से वह इतना --

इच्छा क्या है? न्याय क्या है?
↳ २ परिस्थि < समान / विकसित
↳ इच्छा नहीं तो क्या चीज

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS